Dr. DHANVIR PRASAD

ASSISTANT PROFESSOR (G.T)

DEPT.OF.PSYCHOLOGY

C.M.J COLLEGE DONWARIHAT(KHUTONA)MADHUBANI

L.N.M.U DARBHANGA

MOBILE NO:- 6206696451

E-MAIL- dhabeerparasad@gmail.com

INTERVIEW METHODS

विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने साक्षात्कार को अपने-अपने ढंग से परिभाषित करने का प्रयास किया है। वाइटले(1964) के अनुसार-"साक्षात्कार वह सम्मेलन है जो साक्षात्कार लेने वाले और साक्षात्कार देने वाले के बीच घटित होता है"।

"Interview is a face-to-face conference between the interviewer and the interviewee."

चैपलिन(1975) के अनुसार-"साक्षात्कार आमने-सामने होने वाला वह वार्तालाप है, जिसका उद्देश्य तथ्य पूर्ण सूचना प्राप्त करना होता है"।

"Interview is a face-to-face conversation for the purpose of obtaining factual information."

ऊपर वर्णित परिभाषाओं के विश्लेषण करने से साक्षात्कार के स्वरूप अथवा विशेषताओं के संबंध में कुछ बातें स्पष्ट होती है:-

1. साक्षात्कार वह एक विधि है जिसके द्वारा मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाता है।
2. साक्षात्कार के आधार पर उद्देश्यपूर्ण सूचनाएं प्राप्त की जाती है। साक्षात्कारकर्ता अपने अध्ययन से अनुकूल सूचनाएं हासिल करने का प्रयास करता है।
3. साक्षात्कार एक वार्तालाप है जो साक्षात्कार लेने वाले तथा साक्षात्कार देने वाले के बीच होता है। साक्षात्कार लेने वाला साक्षात्कार देने वाले से आवश्यक प्रश्न पूछता है और दिए गए उत्तरों के आधार पर तर्क संगत सूचनाएं हासिल करता है।
4. साक्षात्कार के समय एक ओर साक्षात्कार लेने वाला होता है और दूसरी ओर साक्षात्कार देने वाला होता है। दोनों के बीच प्रत्यक्ष संबंध होता है। इसलिए साक्षात्कार को आमने-सामने होने वाले सम्मेलन कहा जाता है।
5. साक्षात्कार के समय साक्षात्कार लेने वाला तथा साक्षात्कार देने वाले की भूमिकाएं निश्चित होती है।

साक्षात्कार का व्यवहार मनोविज्ञान में कई रूपों में किया जाता है। इसलिए साक्षात्कार का वर्गीकरण कई आधारों पर किया जाता है।

#औपचारिकता पर आधारित वर्गीकरण-

औपचारिकता के दृष्टिकोण से साक्षात्कार के दो प्रकार का होता है:-

(A)संरचित या बंद साक्षात्कार- संरचित साक्षात्कार का अर्थ व साक्षात्कार है जिसमें साक्षात्कार के समय पूछे जाने वाले प्रश्न तथा उनकी संख्या पूर्व निर्धारित होती है। साक्षात्कार लेने वाला इसमें किसी तरह का परिवर्तन नहीं कर सकता है।

(B)असंरचित या खुला साक्षात्कार- असंरचित साक्षात्कार में अनुसूची का व्यवहार नहीं किया जाता है। इस प्रकार के साक्षात्कार में पूर्व निर्धारित प्रश्न नहीं होते हैं बल्कि साक्षात्कार के समय साक्षात्कार कर्ता आवश्यकता के अनुसार प्रश्न पूछता है और आवश्यक सूचनाएं प्राप्त करता है। किसी साक्षात्कार देने वाले से कितना प्रश्न पूछा जाए, किस तरह का प्रश्न पूछा जाए, यह साक्षात्कार लेने वाले पर निर्भर करता है। इसी कारण इसे खुला साक्षात्कार कहा जाता है।